BOARD OF STUDIES
NEW SOUTH WALES

माता-पिता के लिए न्यू साउथ वेल्ज़ के प्राइमरी स्कूल पाठ्यक्रमों संबंधी मार्ग-दर्शिका

प्राइमरी स्कूल के दौरान माता-पिता को अपने बच्चे की प्रगति को समझने में सहायता प्रदान करना

Hindi

परिचय

प्राइमरी स्कूल के बच्चे के माता-पिता होने के नाते, आप जानना चाहेंगे कि आपका बच्चा क्या सीख रहा है, जिससे कि आप घर पर उसकी मदद कर पाएँ। आप व आपके बच्चे के अध्यापकगणों का प्रभाव ही आपके बेटी या बेटे की शिक्षा पर सबसे अधिक होगा।

यह मार्ग-दर्शिका आपको अपने बच्चे की प्रारम्भिक शिक्षा पर नज़र रखने तथा आपको कक्षा में होने वाली दिन प्रतिदिन की गतिविधियों तथा अपने बच्चे की प्रगति के विषय में अध्यापकों से बातचीत करने में सहायता हेतु प्रदान की गई है।

मेरा बच्चा स्कूल में क्या सीखेगा?

बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़, न्यू साउथ वेल्ज़ The Board of Studies NSW (न्यू साउथ वेल्ज़ के अध्धयन संबंधी मंडल) प्राइमरी स्कूल के प्रत्येक स्तर की पढ़ाई की आवश्यकताओं को नियत करता है। यह चार स्तर इस प्रकार हैं:

किन्डरगार्डन	कक्षा 1 व 2	कक्षा 3 व 4	कक्षा 5 व 6
प्रारम्भिक स्तर1	स्तर1	स्तर 2	स्तर 3

बोर्ड के पाठ्यक्रम यह नियत करते हैं कि इन मुख्य छ: शिक्षा क्षेत्रों में क्या पढ़ाया जाना आवश्यक है:

- अंग्रेज़ी
- गणित
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी
- मानव समाज व उसका पर्यावरण (HSIE)
- सृजनात्मक कलाएँ
- निजी विकास, स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा (PDHPE).

इस मार्ग-दर्शिका में आपको उन विभिन्न चीज़ों के उदाहरण मिलेंगे जो आपका बच्चा प्राइमरी स्कूल की प्रत्येक कक्षा में सीख सकता है।

ये उदाहरण बोर्ड के *मौलिक बयानों (Foundation Statements)* पर आधारित हैं, और जिन्हें अध्यापक कक्षा में होने वाली गतिविधियों तथा प्रगति की रिपोर्ट तैयार करने में उपयोग करेंगे।

कई अध्यापकों, माता-पिता, प्रिन्सिपल तथा बोर्ड के पाठ्यक्रम विशेषज्ञों ने इस मार्ग-दर्शिका में योगदान दिया है तथा कक्षा में की जाने वाली अनेकों गतिविधियाँ इसमें शामिल हैं। परन्तु, आपके बच्चे का स्कूल विभिन्न गतिविधियाँ विभिन्न क्रम में करवा सकता है।

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं तथा प्रत्येक पाठ में एक से अधिक विषय (subject) के प्रसंग (topic) हो सकते हैं। पृष्ठ 12 पर एकीकृत यूनिटों संबंधी अधिक जानकारी प्रदान की गई है।

अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

प्रत्येक विषय/सबजेक्ट पर कितना समय लगाया जायेगा?

बोर्ड के पाठ्यक्रम के आवश्यक अंश स्कूल के सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे के आम दिन वाले पाँच दिन के सप्ताह के 80 प्रतिशत समय में पढ़ाए जा सकते है। स्कूल के सप्ताह के बाकी 20 प्रतिशत समय को स्कूल जो चाहे उन अतिरिक्त गतिविधियों के लिए खाली रखता है। उदाहरण के लिए, कई स्कूल इस समय को भाषा, अतिरिक्त स्कूल के लिए खेल-कूद, संगीत-सामारोह के अभ्यास, धार्मिक शिक्षा तथा विशेष योजनाओं के लिए उपयोग करते हैं।

स्कूल के सप्ताह के 50 प्रतिशत समय में अंग्रेज़ी तथा गणित होता है – यह हर सप्ताह में 12 घंटे के बराबर होता है। अन्य विषय बाकी समय में पढ़ाए जाते हैं (नीचे दिया गया पाई चार्ट देखें)। नीचे दिए गए समय का 6–10% हर सप्ताह में 1.5 से 2.5 घंटे के बीच होता है। कमप्यूटर का उपयोग हर स्तर के हर विषय में शामिल किया जाता है।

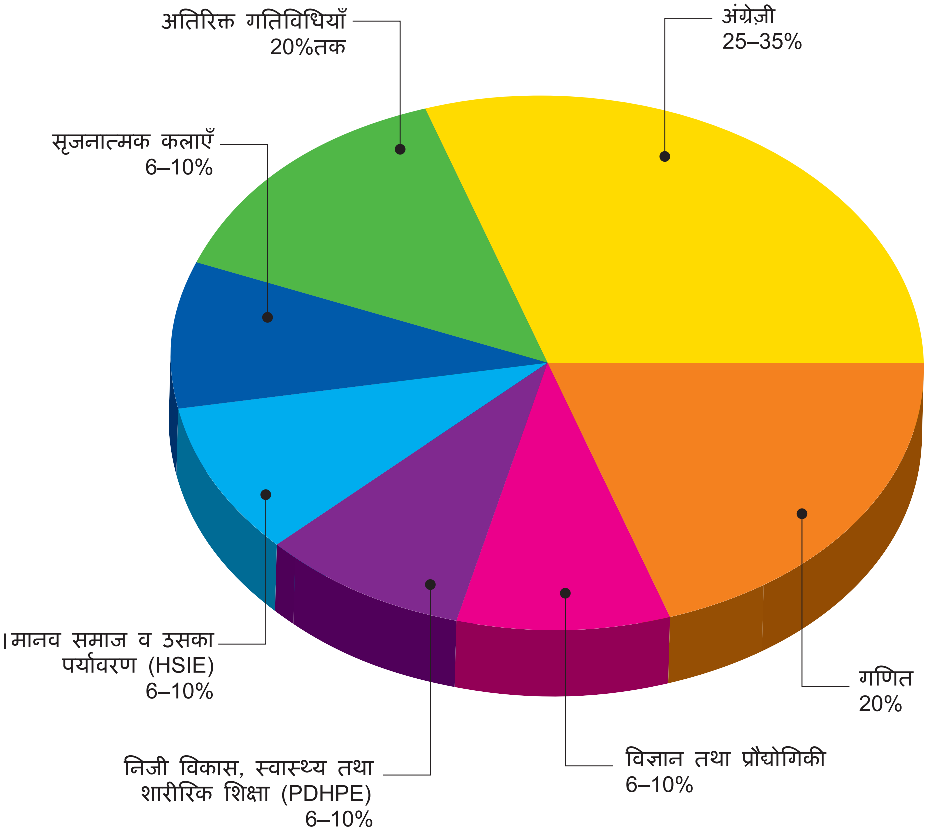

प्रतिशत का फैलाव होने से स्कूलों को प्रारम्भिक कक्षाओं में अंग्रेज़ी के लिए अधिक समय नियत करना संभव हो जाता है।

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी में विद्यार्थी पढ़ना, लिखना, बात करना व सुनना सीखते हैं। वे अंग्रेज़ी भाषा व साहित्य के विषय में सीखते हैं, भाषा संदर्भ के अनुसार कैसे बदलती है व विभिन्न श्रोतागणों के साथ विभिन्न प्रयोजन होने पर कैसे समझते हैं। वे जानकारी व आनन्द पाने के लिए पढ़ते हैं। वे कविताओं, उपन्यासों तथा नाटक के विषय में सीखते हैं। वे भाषा विन्यास, विराम चिन्हों, वर्ण-विन्यास तथा व्याकरण का पूर्ण-रूप से ज्ञान प्राप्त करते हैं।

प्रारम्भिक स्तर 1

किन्डरगार्डन में

- एक कदम वाले आसान निर्देशों को सुनना व करना
- अन्य लोगों के सामने थोड़ी देर के लिए अपने विचार व्यक्त करना, जैसे कि सामाचार सुनाना, अपनी पसन्द के खिलौने या पालतू जानवर का वर्णन करना
- पढ़ने व समझने की विधा के विकास को शुरु करना, जैसे कि सरल शब्दों को पहचानना, वर्णमाला के सभी उच्चारणों को जानना, पढ़ते समय चित्रों द्वारा दिए गए संकेतों से कहानी के बारे में पूर्व अनुमान लगाना
- अक्षरों तथा उनके उच्चारणों का उपयोग करते हुए परिचित सरल शब्दों को लिखना, जैसे 'd - o - g'
- सरल वाक्य लिखना, जैसे कि 'I made a cake'

  सरल वाक्य लिखने के लिए, वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरु करना
- व्याकरण विन्यास को समझना जैसे कि जब अध्यापक कक्षा को 'बड़ी किताब' से पढ कर सुनाए तब एक शब्द समूह में क्रिया व संज्ञा को पहचानना

स्तर 1

कक्षा 1 के कुछ उदाहरण

- छोटी सी कार्यविधि सुनना व उसे करना, जैसे कि सरल कार्य के निर्देशों के अनुसार उसे करना
- सरल सी जानकारी अन्य लोगों को बताना, जैसे कि लाईब्रेरी का रास्ता बताना, किसी परिचित कहानी को दुबारा संक्षेप में सुनाना
- परिचित विषयों पर पढ़ने व समझने की विधा का बढ़ते हुए क्रम में विकास करना, जैसे कि अपरिचित शब्दों को बोलना या उनको बोलने के छोटे अंशों (syllable) में विभाजित करना, जोर से पढ़ते हुए विराम चिन्हों पर ध्यान देना, कहानियों के पात्रों के बारे में विचार व्यक्त करना
- परिचित विषयों पर सरल लेख लिखना, जैसे कि निजी अनुभव या परिवार के सदस्यों का वर्णन करना,

  देख कर समझ आने वाले परिचित शब्दों का अक्षर विन्यास करना जैसे कि said, was, some, have

कक्षा 2 के कुछ उदाहरण

- ध्यानपूर्वक सुनना तथा विचारों का आदान-प्रदान करना या समूह व कक्षा में बातचीत के दौरान आम अवसरों या परिचित विषय जैसे जन्मदिन या खेलकूद पर जानकारी प्रदान करना
- कम परिचित विषयों के बारे में पढ़ना शुरु करना
- समझने की शक्ति का विकास करने के लिए कहानियाँ पढ़ते समय निष्कर्ष निकालना व पूर्व अनुमान लगाना
- कुछ लिखते समय सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले विराम चिन्हों का उपयोग करना, जैसे पूर्ण विराम, बड़े अक्षर, शब्दों के बीच में रिक्त स्थान
- सरल लेख लिखने के लिए, वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करना जैसे कहानियाँ, निमंत्रण कार्ड, व्यन्जन विधियाँ
- लेखों को समझने के लिए पढ़ने के तरीकों का उपयोग करना, जैसे अक्षरों को उनके उच्चारण से मिलाना (phonics) या शब्दों को उनको बोलने के छोटे अंशों (syllable) में विभाजित करना

स्तर 2

कक्षा 3 के कुछ उदाहरण

- विभिन्न प्रयोजन व विभिन्न श्रोतागण होने पर, विचारों का आदान- प्रदान करना जैसे, जानकारी प्राप्त करने के लिए छोटे छोटे इन्टरव्यू लेना, कोई दस्तकारी करने के लिए निर्देश देना
- पूर्व अनुमान लगाने तथ जानकारी कहाँ है यह जानने के लिए विभिन्न प्रकार के पढ़ने के तरीकों का उपयोग करना, जैसे शिर्षक, उप- शिर्षक, मुख्य शब्द, रुपरेखा व चित्रों का उपयोग करना
- स्वयं लिखित रचनाओं में आम विराम-चिन्हों को स्वयं ठीक करना, जैसे प्रश्न चिन्ह, अल्पविराम, स्वरसंधि के लिए वर्ण-लोप चिन्ह, लिखित भाषण में उद्धरण चिन्ह
- विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रोनिक प्रकाशन, जैसे स्लाइड शो, मल्टीमिडिया, बनाने शुरु करना
- आम अक्षरों के स्वरूप व उच्चारण क्रम के ज्ञान का उपयोग करते हुए, जाने-पहचाने शब्दों के वर्ण लिखना, जैसे <u>high</u>, <u>thigh</u>, <u>thought</u>, <u>bought</u>

कक्षा 4 के कुछ उदाहरण

- विभिन्न वाक् कलाओं का उपयोग करते हुए, आत्मविश्वास से मौखिक प्रस्तुति देना, जैसे हाव-भाव, चेहरे के भाव, रुकना, ज़ोर देना, आवाज़ का स्तर, स्पष्टता
- अधिक कठिन विषयों के बारे में पढ़ना, जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति की जीवनी, कोई ऐतिहासिक घटना
- पढ़ते समय लेख के प्रति विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाओं का विकास करना, जैसे लेखक का दृष्टिकोण, विभिन्न व्याख्याओं का वर्णन व तुलना, रुढिबद्ध व प्रतीकात्मक अर्थ की पहचान करनी
- अधिक जटिल स्तर के लेख लिखना, जैसे कि एक विशिष्ट मशीन को चलाने संबंधी स्पष्टीकरण या कोई प्राकृतिक क्रिया कैसे होती है
- विभिन्न प्रकार के विशेष तरीकों का उपयोग करके एक सुसंगठित लेख लिखना, जैसे प्रारुप लिखना, पुनः अवलोकन करना तथा प्रूफ़रीड करना

स्तर 3

कक्षा 5 के कुछ उदाहरण

- पहले से अधिक मात्रा में विभिन्न प्रकार के उद्देश्यों के लिए प्रभावशाली रूप से विचारों का आदान- प्रदान करना, जैसे, मनोरंजन करना, जानकारी देना, श्रोताओं पर प्रभाव डालना
- लेखों में वर्णित विषयों व मुद्दों को पढ़ना, पहचानना तथा उन पर प्रतिक्रिया देनी, तथा अपने ज्ञान व अनुभव के आधार पर अपनी व्याख्याओं को उचित सिद्ध करना
- सुसंगठित वाक्य लिखने, जिसमें विभिन्न प्रकार की जटिल व्याकरण की विशेषताऐं उपयोग की गई हों, जैसे कि एक स्वतंत्र (प्रधान) उप-वाक्य व आश्रित (अप्रधान) उप-वाक्य को समय, स्थान, तरीका, कारण, स्थिति आदि बताने वाले समुच्चयबोधक उपयोग किए गए हों, उदाहरण के लिए 'When the bell rang, Kim went home.'
- अक्षर विन्यास के समय नए शब्द के परिचित अर्थ व मूल शब्द का उपयोग करना, जैसे कि heal, healthy; sign, signature

कक्षा 6 के कुछ उदाहरण

- अधिक जटिल साहित्यिक व तथ्यपूर्ण रचनाओं को पढ़ना व प्रतिक्रिया देनी, जैसे कि मूल उपन्यास, गूढ़ कविताएँ, तकनीकी किताबें व वेबसाइट, ऐतिहासिक रचनाएँ
- अपनी रचनाओं को जो जटिल विषय व मुद्दों पर हों उनको प्रकाशित करना, जैसे कि समकालिक सामाजिक मुद्दों पर पुष्ट तर्क/चर्चा, जो प्रमाण पर आधारित हों
- विभिन्न प्रकार के मीडिया द्वारा विचारों का आदान-प्रदान करना, जैसे वीडियो, मल्टीमीडिया, प्रकाशित तथा आडियो
- रचनाओं में जानकारी ढूंढने के लिए, समझने के विभिन्न तरीकों का उपयोग करना, जैसे कि सारांश के लिए सरसरी तौर पर पढ़ना (skimming), विशेष जानकारी के लिए तेज़ी से पढ़ना (scanning), विषय सूची व शब्दावली का उपयोग करना

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

गणित

गणित विद्यार्थियों में अंकों, बनावट व मापन संबंधित सोचने, समझने, सक्षमता तथा आत्मविश्वास का विकास करता है। विद्यार्थी पूर्ण अंकों, भिन्न अंकों दशमलव का जमा, घटा, भाग देना तथा गुणा करना सीखते हैं। वे समय को मापना तथा पैसे का हिसाब लगाना सीखते हैं। वे रेखा-गणित, बीजगणित तथा डाटा व ग्राफ़ से काम करना सीखते हैं।

प्रारम्भिक स्तर 1

किन्डरगार्डन में

- 30 तक ज़ोर से गिनना तथा 1 से 20 तक अंकों को पहचानना
- किसी प्रकार के टुकड़ों, जैसे कि काउन्टरों का उपयोग करके जमा व घटा करने में मदद लेना
- मुद्रा के मूल्य को जानना, जैसे कि 20 सेन्ट का सिक्का, 5 डालर का नोट
- 0 से 20 तक किसी भी अंक से उल्टा गिनना
- सप्ताह के दिनों व मौसमों के नाम बताना
- घन्टों में समय बताना जैसे कि चार बजना
- सरल आकारों को पहचानना व उनका नाम बताना, जैसे गोला, चौकोर
- स्थिति संबंधी शब्दों का उपयोग करना जैसे between, under, right, left
- समझना कि आधे हिस्से बराबर होते हैं

स्तर 1

कक्षा 1 के कुछ उदाहरण

- दो अंकों वाले नम्बर में अंकों के स्थान का मूल्य बताना, जैसे कि '32 में 3 का मूल्य है 30 या 3 बार दस'
- ठोस वस्तुओं का उपयोग करके गुणा करने के मॉडल बनाना शुरू करना, जैसे कि 3 x 2 का अर्थ है 2 के 3 समूह या 2 की 3 पंक्तियाँ
- दिन प्रतिदिन के जीवन में मिलने वाले आधे व चौथाई वस्तुओं का वर्णन करना, जैसे कि सन्तरे का चौथाई हिस्सा या आधा गिलास पानी
- लम्बाई व दूरी का अंदाज़ या नापने के लिए मीटर व सेन्टीमीटर का उपयोग शुरू करना, जैसे कि 'मेरी किताब 30 cm लम्बी है', 'मेरा डेस्क एक मीटर से अधिक चौड़ा है'

  दो, पाँच व दस नम्बरों तक सीधा व उल्टा गिनना
- इन शब्दों का उपयोग करना 'जमा करना', 'जोड़ना', 'बराबर', 'के बराबर है', 'निकालना', 'घटाना' तथा 'में अन्तर' ('add', 'plus', 'equals', 'is equal to', 'take away', 'minus' and 'the difference between')

कक्षा 2 के कुछ उदाहरण

- घड़ी में साढ़े (आधा घन्टा) की सुई को समझना

  999 तक अंकों को गिनना, पढ़ना व लिखना
- ठोस वस्तुओं का उपयोग करते हुए विभाजन को मॉडल करना शुरू करना, जैसे कि 6 ÷ 3 बराबर होता है 6 चीज़ों को 3 बराबर हिस्सों में बाँटना
- यूनिट के अंक व प्रकार द्वारा क्षेत्र को लिखना, जैसे कि इस धरातल का क्षेत्र 20 टाइल्ज़ है
- तिथि, महीनों, मौसम व जन्म-दिनों को कैलेन्डर पर बताना
- डाटा के ग्राफ़ व रेखा-चित्रों को समझना व बनाना शुरू करना, जैसे कि सरल चित्र ग्राफ़ व स्तम्भ ग्राफ़ का उपयोग करना
- अंकों को पहचानना व समझाना, जैसे कि विषम व सम, पाँच व ज़ीरों से अन्त होने वाले अंक

स्तर 2

कक्षा 3 के कुछ उदाहरण

- दो अंक की संख्या को एक अंक की संख्या से गुणा करने के मानसिक तरीकों का विकास करना, जैसे कि विदित तथ्यों का उपयोग करना, पहले दस (दो अंक वाली संख्या) को और फिर एक अंक की संख्या को गुणा करना, सम संख्याओं से गुणा करते समय, बार-बार दुगना करना
- 9999 तक अंकों को गिनना, पढ़ना, लिखना व क्रम में करना
- आधा, चौथाई व आठवाँ हिस्सा दिखाने वाले भिन्न अंकों (fractions) को पहचानना, उपयोग करना तथा तुलना
- करनी दसवाँ व सौवाँ हिस्सा, दशमलव अंकन में दिखाना, जैसे कि 0.1 व $\frac{1}{10}$ बराबर हैं
- वस्तुओं को पहचानना व मीटर, सेन्टीमीटर तथा मिलिमीटर में उनकी लम्बाई, चौड़ाई, ऊँचाई तथा परिणिति नापना
- क्षेत्र को वर्ग सेन्टीमीटर तथा वर्ग मीटर में लिखना, उदाहरणार्थ 5 cm^2, 6 m^2
- 10 x 10 तक गुणा करने के तथ्य ('दुनी पहाड़े') याद करना डाटा को सुव्यवस्थित करके तालिका तथा ग्राफ़ बनाना व समझना

कक्षा 4 के कुछ उदाहरण

- समय को एक मिनट के अन्तर पर समझना व बताना
- चार अंक तक की संख्याओं को लम्बे अंकन में लिखना, उदाहरणार्थ 5429 = 5000 + 400 + 20 + 9
- एक अंक की संख्या से गुणा करने के मानसिक तरिकों का विकास करना, उदाहरणार्थ '63 ÷ 9 = 7 क्योंकि मुझे पता है कि 7 x 9 = 63'
- किसी संख्या के गुणक पता करना, उदाहरणार्थ '12 के गुणक हैं 1, 2, 3, 4, 6, 12'
- दशमलव को उतने ही दशमलव स्थानों (2 दशमलव स्थानों तक) द्वारा जोड़ना व घटाना, उदाहरणार्थ 0.10 + 0.33 = 0.43
- आम प्रतिशतों को भिन्न अंकों या दशमलव से मिलाना, उदाहरणार्थ '25% का अर्थ है 100 में से 25 या 0.25'

  2-डी आकारों का जोड़-तोड़ करना, तुलना व वर्णन करना, उदाहरणार्थ पन्चभुज, अष्टभुज, समान्तर चतुर्भुज
- घनफल व विस्तार लीटर, मिलिलीटर तथा घन सेन्टीमीटर में बताना, उदाहरणार्थ 5 L, 6 mL, 27 cm^3
- निर्देशांक व कंपास की नोक से स्थिति बताना तथा निर्देश देने व उन्हें पूरा करना, उदाहरणार्थ 'शेर का पिंजरा B3 पर है', 'खजाना, गुफ़ा के पूर्व-उत्तर में है'

स्तर 3

कक्षा 5 के कुछ उदाहरण

- कितनी भी बड़ी संख्या को पढ़ना, लिखना व क्रम में करना
- कोणों को पहचानना व उनका वर्गीकरण करना, उदाहरणार्थ समकोण, न्यून, अधिक, प्रतिवर्त, सीधा, चक्र
- लिखित लम्बे रूप (लम्बी गुणा) का उपयोग करके तीन अंक की संख्या को दो अंक की संख्या से गुणा करना
- अभाज्य संख्याओं को पहचानना, उदाहरणार्थ 13 के केवल दो गुणक हैं (1 व 13) इसलिए अभाज्य संख्या है
- रेखा-चित्रों तथा अंक रेखाओं का उपयोग करके भिन्न अंकों की समराशि ढूँढना, उदाहरणार्थ $\frac{3}{4} = \frac{6}{8}$
- सरल भिन्न अंकों को जोड़ना व घटाना, उदाहरणार्थ या $\frac{5}{6} + \frac{3}{6} = \frac{8}{6}$ या $1\frac{2}{6}$, $\frac{2}{3} + \frac{1}{6} = \frac{4}{6} + \frac{1}{6} = \frac{5}{6}$
- 3 दशमलव स्थानों तक दशमलव अंकन का उपयोग करके लम्बाई व दूरी बतानी, उदाहरणार्थ 2.753 किलोमीटर

कक्षा 6 के कुछ उदाहरण

- 24 घन्टे व पूर्वान्ह/अपरान्ह के तरीके से समय बताना
- किसी राशि का सरल भिन्न अंकों व प्रतिशत में हिसाब लगाना, उदाहरणार्थ 30 का $\frac{1}{5} = 6$, $\$200$ का $10\% = \$20$
- सरल भिन्न अंकों को पूर्ण नम्बर से गुणा करना, उदाहरणार्थ $3 \times \frac{2}{5} = \frac{6}{5}$
- बची हुई राशि को भिन्न अंकों या दशमलव में बताना, उदाहरणार्थ $25 \div 4 = 6\frac{1}{4}$ या 6.25
- 3-डी आकारों को उनके गुणों के आधार पर पहचानना व बनाना, उदाहरणार्थ आयताकार प्रिज़्म, त्रिकोणिय पिरामिड
- घनफल व विस्तार को तीन दशमलव स्थानों तक दशमलव अंकन में बताना, उदाहरणार्थ 1.275 L

  पैमाने का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के ग्राफ़ समझना व बनाना, उदाहरणार्थ रेखा ग्राफ़, विभाजित बार ग्राफ़
- सरल वाक्यों में लुप्त नम्बर का हिसाब लगा कर पूरा करना, उदाहरणार्थ $270 \div x = 9$

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी से विद्यार्थियों की सोचने, जाँच-पड़ताल करने तथा समस्या सुलझाने की क्षमता का विकास होता है। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों को विज्ञान संबंधी जाँच-पड़ताल करने, डिज़ाइन व व्यावहारिक प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान तथा दक्षताएं प्रदान करती हैं।

यह विषय बच्चों में जो अपने प्राकृतिक व बनाए गए पर्यावरण के प्रति जिज्ञासा होती है उसको बढ़ाता है।

किन्डरगार्डन में

प्रारम्भिक स्तर 1

- घरों व खिलौनों जैसी चीज़ों का डिज़ाइन व सरल नक्शा बनाना
- खींचने व धक्का दे कर दिखाना कि चीज़े कैसे हिलती हैं
- जानवरों की विभिन्न ज़रूरतों व पसन्द के विषय में बात करनी तथा इन ज़रूरतों व पसन्द के अनुसार मॉडल व चित्रों को छांटना
- अपने पर्यावरण के विषय में बात करनी जिसमें बादल, मौसम, दिन व रात जैसे विषय शामिल हैं
- इस पर बात करें कि वे अपने पर्यावरण की देख-भाल कैसे कर सकते हैं
- विभिन्न प्रकार की ऊर्जा के विषय में बात करनी तथा दैनिक जीवन में उसके उपयोग को जानना

कक्षा 1 व 2 के कुछ उदाहरण

स्तर 1

- प्रतिरूप (pattern) देखना और उनका संभावित कारण बताना, उदाहरणार्थ स्कूल के बाहर से गुज़रने वाले वाहनों को देखना, लिखना व उनका वर्गीकरण करना तथा कक्षा का ग्राफ़ बनाना
- किसी जीवित चीज़ जैसे कि मौसम के दौरान पतझड़ी पेड़ या बीज को अंकुरित होते ध्यान से देखना और उनमें होने वाले बदलावों के बारे में लिखना
- चुम्बकों व उनके लक्षणों की जाँच करना
- इस पर बात करनी कि जीवित चीज़ें किस प्रकार अपने पर्यावरण पर निर्भर करती हैं
- पशुओं के जीवन को ध्यान से देखना, उदाहरणार्थ चींटियाँ, रेशम के कीड़े

कक्षा 3 व 4 के कुछ उदाहरण

स्तर 2

- स्थानीय पर्यावरण को ध्यान से देखना व उसकी रिपोर्ट देनी, उदाहरणार्थ कोई पार्क, समुद्रतट या सजलभूमि (wetland)
- मॉडल डिज़ाइन करने व बनाने जिनमें डन्डियां, लकड़ी, कार्ड-बोर्ड, पेड़ की छाल, गोंद तथा कपड़ा उपयोग किया गया हो। मॉडल में प्रारम्भिक बसने वालों की झोपड़ी, समुद्र के नीचे की दुनिया या अंतरिक्ष की दुनिया शामिल की जा सकती है
- इसका वर्णन देना कि पेड़-पौधे व जन्तु एक 'लघु-पर्यावरण' में किस प्रकार एक दूसरे पर निर्भर करते हैं, उदाहरणार्थ पार्क, खेल-कूद का मैदान या झील का क्षेत्र
- कुछ समय तक चाँद की कलाओं पर अनुसंधान करना व लिखना व स्पष्ट करना कि ऐसा क्यों होता है

कक्षा 5 व 6 के कुछ उदाहरण

स्तर 3

- कम्पयूटर पर अनुकरण सॉफ़्टवेयर उपयोग करना, उदाहरणार्थ एक आदर्श शहर बनाना
- प्रौद्योगिकी द्वारा विभिन्न प्रकार की चट्टानों व क्रिस्टल के बारे में अध्ययन करना
- प्राकृतिक विपदाओं के कारणों व प्रभावों पर अनुसंधान करना, उदाहरणार्थ भूचाल व चक्रवात
- ऊर्जा व ऊर्जा स्थानांतरण के बारे में सीखना, उदाहरणार्थ बर्फ़ से तरल व तरल से भाप
- भविष्य में पुल या घर जैसी चीज़ों को बनाने के डिज़ाइन के प्रस्तावों का मूल्यांकन करना
- जल-जाँच मशीन द्वारा स्थानीय जल के स्त्रोत के पानी की स्वच्छता की जाँच करना तथा जल चक्र का अध्ययन करना
- सीखना कि बिजली के सरकट कैसे काम करते हैं
- सीखना कि मशीनों के गियर कैसे काम करते हैं, उदाहरणार्थ साईकिल व घड़ियाँ

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

HSIE

मानव समाज व उसका पर्यावरण (HSIE) में विद्यार्थी इतिहास, भूगोल, नागरिक-शास्त्र तथा नागरिकता के विषय में पढ़ते हैं।

वे अपने निजी व सामुदायिक अस्तित्व की जाँच करते हैं, व विश्व में अपने राष्ट्र के स्थान संबंधी ज्ञान प्राप्त करते हैं। वे अपने समाज व पर्यावरण को उत्तम बनाए रखने व सुधार लाने में प्रभावशाली रूप से योगदान देना सीखते हैं।

किन्डरगार्डन में

प्रारम्भिक स्तर 1

- परिवार की विरासत की कहानियाँ सुनानी तथा 'समय', 'परिवर्तन' व 'स्थान' जैसे शब्दों का उपयोग करना
- बात-चीत करनी कि परिवार एक दूसरे से किस प्रकार समान व भिन्न होते हैं तथा एक व्यक्ति की आवश्यकताएं परिवार में कैसे पूरी होती हैं
- विशेष दिनों व सांस्कृतिक समारोह, जैसे कि ऐनज़क डे के बारे में कक्षा में बात-चीत में हिस्सा लेना
- कक्षा, स्कूल व घर पर विभिन्न भूमिका व ज़िम्मेदारियों के बारे में बात-चीत करना
- ऐसे काम करने जो यह दिखाएं कि वे अपने घर, कक्षा, स्कूल तथा/या पर्यावरण की देख-भाल करते हैं
- सपनों (अबोरिजनल) की कहानियाँ सुनना
- अपने घर की विशेषताओं व स्थिति के बारे में बात-चीत करना

कक्षा 1 व 2 के कुछ उदाहरण

स्तर 1

- अपने परिवार व समुदाय के सदस्यों की बीते हुए व वर्तमान जीवन के बारे में बात-चीत करना
- अपने परिवार व अन्य परिचित लोग जो विभिन्न समुदाय व परिवार के हों उनके रीति-रिवाज़, प्रतीक, भाषा व परंपराओं के बारे में बात-चीत करना
- अबोरिजनल लोगों को आस्ट्रेलिया के प्रथम निवासियों के रूप में देखना
- अपने स्थानीय समुदाय और उसमें समय के साथ-साथ किस प्रकार के परिवर्तन आए हैं, इस संबंध में ज्ञान प्राप्त करना
- देश व विभिन्न स्थान कहाँ स्थित हैं यह जानने हेतु, नक्शों व ग्लोब का उपयोग करना
- यह दिखाना कि वे मनुष्य व पर्यावरण के संबंध को समझते हैं तथा पर्यावरण की किस प्रकार सुरक्षा कर सकते हैं

कक्षा 3 व 4 के कुछ उदाहरण

स्तर 2

- इस संबंध में ज्ञान प्राप्त करना कि आस्ट्रेलिया का इतिहास हज़ारों वर्षों से चला आ रहा है
- स्कूल व समुदाय में विभिन्न भूमिकाओं व ज़िम्मेदारियों के बारे में बात-चीत करना व उनकी पहचान करना
- स्थानीय पर्यावरण की देख-भाल करने हेतु विभिन्न तरीकों की जाँच-पड़ताल करना तथा पर्यावरण की सुरक्षा करने के लिए वे घर व स्कूल में क्या कर सकते हैं
- इतिहास में महत्वपूर्ण लोगों की पहचान करने हेतु स्थानीय क्षेत्र की जाँच-पड़ताल करना
- आस्ट्रेलिया में समुदाओं, एशिया व विश्व के अन्य स्थानों की धर्म, भाषाओं व संस्कृतिओं संबंधी समानताओं व विभिन्नताओं का वर्णन करना
- आस्ट्रेलिया के प्रारम्भिक अन्वेषकों के विषय में पढ़ना, उदाहरणार्थ बैस व फ़्लिनडर्ज़

कक्षा 5 व 6 के कुछ उदाहरण

स्तर 3

- उपनिवेषीय अन्वेषणों तथा स्वर्ण की खोज के प्रभाव के विषय में पढ़ना
- विश्व व आस्ट्रेलिया के क्षेत्र कहाँ स्थित हैं यह जानने हेतु, नक्शों व ग्लोब का उपयोग करना, जैसे कि एशिया पैसिफ़िक क्षेत्र, रिवरीना क्षेत्र
- यह स्पष्ट करना कि आस्ट्रेलिया के सरकारी ढाँचे में कानूनों का विकास किस प्रकार किया जाता है, उदाहरणार्थ स्थानीय, राजकीय तथा संघीय सरकार की ज़िम्मेदारियाँ
- इस विषय में पढ़ना कि आस्ट्रेलियाई होने का अर्थ क्या है
- किसी स्थानीय, राष्ट्रीय व विश्वीय महत्व के पर्यावरण संबंधी मुद्दे की जाँच-पड़ताल करनी तथा यह लोगों व उनकी दुनिया पर किस प्रकार प्रभाव डालता है इस विषय में छान-बीन करनी
- प्रजातंत्र की प्रक्रियाओं को समझते हुए, चुनाव की व्यवस्था का वर्णन करना

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

सृजनात्मक कलाएँ

सृजनात्मक कलाएँ विद्यार्थियों को दृष्टि संबंधी कलाओं, संगीत, नाटक व नृत्य का अनुभव प्रदान करती हैं। उन्हें इन सभी क्षेत्रों में अपनी रचनात्मकता की खोज करने का अवसर मिलता है। वे प्रत्येक कला के रूप के अर्थ व महत्ता को समझना सीखते है। वे दृष्टि संबंधी कलाओं, संगीत, नाटक व नृत्य द्वारा अपने आप को प्रदर्शित व प्रकट करते हैं।

किन्डरगार्डन में

प्रारम्भिक स्तर 1

- रंगों, पानी के रंग, स्पंज, क्रेआन, ब्रुश तथा डन्डियों का उपयोग करते हुए, अपने वास्तविक व कल्पित अनुभवों के बारे में अपनी कलाकृति बनानी
- डब्बों व खेलने के रबड़ (playdough) से सरल 3-डी (3-D) ढाचें बनाने या चिकनी मिट्टी से मॉडल बनाने
- हिलने-डुलने व मुद्रा द्वारा नृत्य तथा नाटक का प्रदर्शन करना
- संगीत के साथ गाना गाना, वाद्य बजाना व संगीत के साथ हिलना तथा स्वर के साथ प्रयोग करना
- उछल कर, थपथपी से या तालवाद्य से संगीत की ताल की नकल करना

कक्षा 1 व 2 के कुछ उदाहरण

स्तर 1

- अपने स्वर व तालवाद्य का उपयोग करके संगीत के साथ गाना गाना, वाद्य बजाना व संगीत के साथ थिरकना
- विभिन्न प्रकार से संगीत के साथ थिरकना, जेसे कि कल्पना करना कि वे मशीन या तितली हैं
- कहानी के आधार पर नाटक लिखना, जेसे कि 'पॉसम मैजिक'
- विभिन्न प्रकार की तकनीकों का उपयोग करके मूर्तियाँ व 3-डी मॉडल बनाने, जैसे कि नक्काशी, काटना, चिकनी मिट्टी व सरल छापने की तकनीके जेसे कि स्क्रीन छापना
- बात-चीत करनी कि संगीत किस प्रकार विभिन्न प्रकार की चीज़ों का प्रतिनिधित्व कर सकता है – सर्कस, या धूप जैसे कि ग्रेग लिखित 'पीयर गीन्ट' से उद्धरित 'सुबह'

कक्षा 3 व 4 के कुछ उदाहरण

स्तर 2

- कलाकृतियों के विषय-वस्तु के विवरण पर अधिक ध्यान केन्द्रित करना जैसे कि चेहरे की मुद्राएं, शरीर के घुमाव
- संगीत की ताल पर गाना व थिरकना, सुर, लय व ताल की रचना व परिवर्तनों को पहचानना
- नृत्य की परिचित मुद्राओं तथा अनुक्रम की रचना करने हेतु एकाएक मुद्रा बनाने का उपयोग करते हुए, नृत्य प्रदर्शन का विकास करना
- तालवाद्य, जैसे कि ड्रम, त्रिकोणिय वाद्य (triangles) या मैराकस (maracas) का उपयोग करते हुए, साथ ही साथ ताली बजा कर. हाथों व पैरों से ताल देकर, संगीत की रचना करना
- तालवाद्य की तालिका का अनुसरण करते हुए समूह में संगीत प्रर्दशन करना
- नाटकों के चरित्रों की समूह में और अकेले, अभ्यास हेतु भूमिका निभाना

कक्षा 5 व 6 के कुछ उदाहरण

स्तर 3

- अपनी कलाकृति बनाने हेतु, तत्काल फ़ोटो व अन्य कलाकृतियों का उपयोग करना
- संगीत पर थिरकना तथा गानों व नृत्य का मिश्रित प्रर्दशन करना
- काव्य सहित, अपनी कल्पना व साहित्य से उद्धरित भूमिकाओं व दृष्य-योजनाओं को निभाना
- विभिन्न प्रकार के संगीत के विषय में बात-चीत करनी तथा इस विषय पर वार्तालाप करनी कि उन्हें क्या पसन्द हैं और क्या नहीं और क्यों
- ऐसी भूमिकाएं निभाना जो इस प्रकार की भावनाएं व्यक्त करें, जैसे कि सहानुभूति, जोश, उदासी तथा हर्ष, साथ ही साथ नाटिका में विभिन्न सामाजिक स्थितियों की भूमिकाएं निभाना, जैसे कि राजा या नौकर की

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

निजी विकास, स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा (PDHPE)

निजी विकास, स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा (PDHPE), विद्यार्थियों में स्वस्थ, सक्रिय तथा सम्पूर्ण जीवन व्यतीत करने के लिए आवश्यक ज्ञान, दक्षताएँ व रुख़ का विकास करती है। विद्यार्थी पौष्टिक भोजन व नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में सीखते हैं।

वे सीखते हैं कि शरीर समय के साथ किस प्रकार बढ़ा होता है व बदलता है। वे एक व्यक्ति तथा टीम द्वारा खेले जाने वाले खेलों की दक्षताएँ व निष्पक्ष रूप से खेलने के नियम तथा टीम के साथ मिल कर खेलना सीखते हैं।

किन्डरगार्डन में

प्रारम्भिक स्तर 1

- सुरक्षित व असुरक्षित स्थानों व स्थितियों के प्रति सचेत बनना, जैसे कि सड़क या पानी के आस-पास
- उन लोगों को पहचानना जो मदद कर सकते हैं, तथा असुरक्षित स्थितियों में की जाने वाली गतिविधि, जैसे कि 'no, go, tell' का विवरण देना
- शरीर के विभिन्न अंगों का नाम लिखना तथा उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को बताना जैसे कान सुनने के लिए हैं
- यह बताना कि लोग एक दूसरे की किस प्रकार देख-भाल करते हैं
- सृजनात्मक रूप से खेल कर व आसान खेलों द्वारा नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेना
- आधारभूत हिलने-डुलने की दक्षताएँ सीखना व उनका अभ्यास करना, जैसे कि फुदकना व कूदना

कक्षा 1 व 2 के कुछ उदाहरण

स्तर 1

- दवाईयों को पहचानना तथा बताना कि उनको सुरक्षापूर्वक कैसे उपयोग किया जाता व रखा जाता है
- आधारभूत हिलने-डुलने की दक्षताएँ सीखना व उनका अभ्यास करना जिसमें फुदकना, कूदना व उछलना, लात से ठोकर मारनी, ऊँचा हाथ करके फेंकना शामिल हैं
- सकारात्मक रिश्तों के गुणों को पहचानना, जैसे कि सहयोग तथा दूसरों की परवाह करनी
- अपने को स्वस्थ व सुरक्षित रखने के विकल्पों को समझना, जैसे कि धूप से बचना, खान-पान की आदतें, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेना
- हिलने-डुलने की दक्षताओं को साथ-साथ क्रम में करना, जैसे कि कूदना- फुदकना-भागना
- अन्य लोगों के साथ सहयोग करना, जैसै कि बारी-बारी से करना

कक्षा 3 व 4 के कुछ उदाहरण

स्तर 2

- स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों पर होने वाले प्रभावों के प्रति सचेत होना, जैसे कि टी वी पर विज्ञापन तथा अस्वस्थ भोजन करना
- विभिन्न शारीरिक गतिविधियों द्वारा आधारभूत हिलने-डुलने की दक्षताओं का अभ्यास करना, जैसे कि रैकिट या बैट से खेलना
- विभिन्न टीम खेलों के नियमों को सीखना व कक्षा तथा स्कूल की टीम के साथ खेलना
- मादक द्रव्यों, तम्बाकू तथा शराब से होने वाले नुकसान को जानना
- जीवन भर शरीर में होने वाले परिवर्तनों को पहचानना
- विभिन्न प्रकार की शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेना और सीखना कि वे किस प्रकार स्वास्थ्यवर्धक व सक्रिय जीवनशैली में योगदान देती हैं

कक्षा 5 व 6 के कुछ उदाहरण

स्तर 3

- निजी जीवनशैली के विकल्पों के लाभों को स्पष्ट करना, जैसे कि पौष्टिक भोजन करना, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेना
- अन्य लोगों में विभिन्नताओं को महत्ता देनी तथा पक्षपात समझने का विकास करना
- विभिन्न प्रकार की शारीरिक गतिविधियों को करते समय टीम के साथ सहयोग, समझदारी व यथार्थता का प्रदर्शन करना
- विरोध से निबटने हेतु संबंधों में विचारों के आदान-प्रदान व सकारात्मक तरीकों के महत्व को समझाना
- अन्य व्यक्तियों के स्वास्थ्य व सुरक्षा पर अपने निर्णयों के हो सकने वाले प्रभावों को जानना
- अपनी शारीरिक गतिविधियों के स्तर पर ध्यान देना तथा स्वास्थ्यवर्धक शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेना

अध्यापकों के लिए पाठ को प्रभावी रुप से तैयार करने हेतु विभिन्न तरीके होते हैं। अपने बच्चे के अध्यापकों से इस बारे में बात करें कि वे कक्षा में क्या पढ़ाने की आशा करते हैं और आप अपने बच्चे की घर पर कैसे मदद कर सकते/ती हैं।

पढ़ाई में 'एकीकृत इकाई' क्या होती है?

आपके बच्चे के अध्यापक कक्षा कार्यक्रम के अंश के रूप में 'एकीकृत इकाई' के विषय में बात कर सकते हैं।

'एकीकृत' का अर्थ है कि काम की एक इकाई में एक से अधिक पाठ्य-क्रमों में से सामग्री पढ़ाई जा रही है। उदाहरण के लिए, कहानियों की एक छोटी पुस्तक को डिज़ाइन करना, बनाना, लिखना तथा चित्रित करना, इस सब में अंग्रेज़ी पाठ्य-क्रम, विज्ञान व प्रौद्योगिकी पाठ्य-क्रम तथा सृजनात्मक कलाओं के पाठ्य-क्रम के अंश सम्मिलित हो सकते हैं।

कभी-कभी अध्यापक एक विषय से संबंधित पाठ्य-क्रमों को मिला देते हैं – जैसे कि अंटार्कटिका, प्रजातंत्र या अन्वेषक– क्योंकि इससे विद्यार्थी इस विषय को विभिन्न तरीकों से पढ़ सकते हैं। अध्यापकों ने पाया है कि इस दृष्टिकोण से विद्यार्थी जो भी पढ़ते हैं वह ठीक से व आनन्दपूर्वक सीखते हैं।

एकीकरण दिन में कक्षा के दौरान सदैव ही नहीं किया जाता। अध्यापक अपने विद्यार्थियों की सीखने की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सारे पाठ्य-क्रम में से उपयोगी संबंधित अंशों की योजना बनाते हैं।

उदाहरण – बाली की संस्कृति व पर्यावरण एक एकीकृत इकाई है

कक्षा 5 या 6 (स्तर 3) में बाली के विषय में अक्सर एकीकृत इकाई के अंश के रूप में पढ़ाया जाता है। HSIE का विषय *'अन्य संस्कृतियों व उनके पर्यावरण से आपसी मेलजोल से संस्कृतियाँ कैसे बदलती हैं'* अक्सर कक्षा के लिये आरम्भ करने का विषय होता है।

नीचे **कुछ** उदाहरण दिए गए हैं:

अंग्रेज़ी: सीखना कि रिपोर्ट कैसे लिखते हैं व बाली के विषय में अनुसन्धान करते समय जो जानकारी इकट्ठी की है उसका सारांश लिखना

गणित: डाटा, माप, ग्राफ़ जिसमें पैमाने का उपयोग किया गया हो इकट्ठे करने, 2डी व 3डी आकार के लिए उचित प्रौद्योगिकी चुनना

विज्ञान व प्रौद्योगिकी: बाली के एक गाँव का डिज़ाईन करने व बनाने के लिए पर्यावरण, संस्कृति तथा सुरक्षा संबंधी अनुसन्धान करना

HSIE: बाली की संस्कृति पर अनुसन्धान करना, जिसमें परंपरागत पहनावा व पोशाक, कला, धारणाएं, पर्यावरण, खान-पान, भूगोल, इतिहास शामिल हैं

सृजनात्मक कलाओं: यात्रा के लिए पासपोर्ट का डिज़ाईन बनाना, बनावटी चेहरा या कठपुतली का डिज़ाईन बनाना, बाली के परंपरागत संगीत व गेमलान वादक समूह को सुनना, परंपरागत नृत्य के बारे में पढ़ना

PDHPE: टीम के साथ काम करने की दक्षताओं, डिज़ाईन करने व सामान बनाते समय समस्या समाधान करने का विकास करना, बाली के बच्चों के परंपरागत खेलों के विषय में पढ़ना व उनकी ऑस्ट्रेलियाई खेलों व गतिविधियों से तुलना करना, 'बाली के प्रीतिभोज' की मेज़बानी करना

मूल्याँकन साधन केन्द्र (ARC)

मूल्याँकन साधन केन्द्र (ARC) अध्यापकों को किन्डरगार्डन से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों की उपलब्धियों का मूल्याँकन करने व रिपोर्ट भेजने में सहायता करता है। बोर्ड आफ़ स्टडीज़ ने ARC का विकास अध्यापकों को विद्यार्थियों की श्रेणी निर्धारण के समय उपयोग करने हेतु किया है, जबकि माता-पिता व विद्यार्थी भी इसको उपयोगी पाएंगे।

कार्य संबंधी नमूने

ARC वेबसाइट विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य के नमूने प्रदान करता है जिनका आम ग्रेड मापदंड के अनुसार मूल्याँकन किया गया है। यह आपको यह देखने में सहायता करेगा कि प्रत्येक पढ़ाई के क्षेत्र में प्रत्येक स्तर पर क्या आशा की जाती है।

विद्यार्थियों के कार्य के ये नमूने पूरे NSW में अध्यापकों द्वारा उपयोग किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों की उपलब्धियों का समरूप मूल्याँकन किया जा सके। अर्थात्, NSW में किसी भी स्कूल में विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य का मूल्याँकन एक समान होगा।

ARC की वेबसाइट देखने के लिए **http://arc.boardofstudies.nsw.edu.au/** पर जाएं

कुछ प्रश्नों के उत्तर

मैं यह कैसे मालूम करूँ कि प्रत्येक कक्षा में मेरे बच्चे को क्या पढ़ना चाहिए?

आपके बेटे या बेटी के प्रत्येक वर्ष कक्षा के कार्य के विषय पर बात करने के लिए सबसे उचित व्यक्ति आपके बच्चे के अध्यापक हैं।

अंग्रेज़ी व गणित में आपका बच्चा प्रत्येक वर्ष विशेष टापिक पढ़ेगा। इन दो विषयों में आपके बच्चे के लिए पढ़ाई के अगले स्तर में जाने से पहले कुछ 'निर्माण बाधक' हैं जिनका सीखना अनिवार्य है। अन्य विषय अधिक लचीले हैं तथा उनके टापिक स्तर के दो-वर्ष के अन्दर कभी भी पढ़ाए जा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, बोर्ड के *मौलिक बयान* या प्रत्येक विषय के पूर्ण पाठ्यक्रम पढ़े। वेबसाइट के पते देखने के लिए अन्तिम पृष्ठ देखें।

मेरे बच्चे की उपलब्धियों का मूल्याँकन कैसे किया जाएगा?

विद्यार्थियों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए बोर्ड आफ़ स्टडीज़ द्वारा अध्यापकों को मार्गदर्शिका के रूप में एक 'आम मूल्याँकन मापदंड' प्रदान किया जाता है। मूल्याँकन मापदंड तथा विद्यार्थियों के मूल्याँकित किए गए नमूने निम्नलिखित वेबसाइट पर देखें जा सकते हैः
http://arc.boardofstudies.nsw.edu.au

A से E तक (या इसके बराबर) मूल्याँकन मापदंडों द्वारा अध्यापक विद्यार्थियों की रिपोर्ट स्पष्ट व समरूप मापदंड से तैयार कर सकते हैं। विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ किस स्तर से सर्वश्रेष्ठ रूप से मिलती हैं, इसके विषय में अध्यापक व्यावसायिक निर्णय लेते हैं।

सारांश में: A ग्रेड विस्तृत ज्ञान व समझ के लिए, B सम्पूर्णता के लिए, C योग्यता के लिए, D साधारण के लिए व E प्रारम्भिक के लिए।

मुझे अधिक जानकारी कहाँ से मिल सकती है?

आपके बच्चे के अध्यापक अधिक जानकारी पाने में सहायता प्रदान कर सकते हैं। बोर्ड आफ़ स्टडीज़ के पाठ्यक्रम संबंधी कागज़ात, बोर्ड के *मौलिक बयान,* तथा अध्यापकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले अतिरिक्त साधन भी आप **http://k6.boardofstudies.nsw.edu.au** व **http://arc.boardofstudies.nsw.edu.au** पर पा सकते/ती हैं।

बोर्ड आफ़ स्टडीज़ किन्डरगार्डन से कक्षा 6 तक के बच्चों के माता-पिता के लिए विभिन्न प्रभार के साधन प्रदान करता है। कृपया बोर्ड आफ़ स्टडीज़ की वेबसाइट **eBOS Shop Online** पर जाएं या अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता सेवा यूनिट को (02) 9367 8178 पर फ़ोन करें।

ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम क्या है?

NSWऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार व सभी अन्य राज्यों और राज्यक्षेत्रों के साथ मिल गया है।

NSW के स्कूल 2011के लिए NSW K–12 के वर्तमान पाठ्यक्रम का प्रयोग करते रहेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम के बारे में अतिरिक्त जानकारी ऑस्ट्रेलियन करीकुलम एसैसमेंट एंड रिपोर्टिंग ऑथोरिटी (ACARA) की वेबसाईट और बोर्ड ऑफ स्टडीज़ की वेबसाईट पर मिल सकती है।

सामुदायिक भाषाएँ

यह गाईड कई सामाजिक भाषाओं में उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए पया **www.boardofstudies.nsw.edu.au/parents** पर देखें।

कुछ शब्दों व वाक्यांशों का स्पष्टीकरण

मौलिक बयान (Foundation Statements): बोर्ड आफ़ स्टडीज़ (The Board of Studies) के *मौलिक बयान* अध्यापकों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में *क्या जाना अनिवार्य* , इसका सारांश करने में मदद देते हैं। आप प्रत्येक प्राइमरी विषय के बारे में बोर्ड की वेबसाइट पर पढ़ सकते/ती हैं।

पढ़ाई के मुख्य क्षेत्र (Key Learning Areas) या 'KLAs': ये NSW के सभी स्कूलों में अनिवार्य रूप से पढ़ाए जाने वाले विषय हैं। प्राइमरी स्कूलों में छः KLAs व माध्यमिक स्कूलों में आठ KLAs होते हैं।

माध्यमिक स्कूलों में विज्ञान व प्रौद्योगिकी पृथक विषय क्षेत्र हो जाते हैः विज्ञान एक विषय क्षेत्र है; प्रौद्योगिकी तथा व्यावहारिक अध्ययन दूसरा। अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाएं (LOTE) भी अनिवार्य विषय क्षेत्र के रूप में आरम्भ की जाती हैं।

बोर्ड की वेबसाइट पर आप KLAs के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते/ती हैं।

पाठ्यक्रम: पाठ्यक्रम प्रत्येक विषय का विस्तृत वर्णन है जो अध्यापकों को स्कूल के प्रत्येक स्तर पर पढ़ाने होते हैं। पाठ्यक्रम 'Syllabus' व अध्ययन सूची 'curriculum' अक्सर एक ही चीज़ के लिए उपयोग किए जाते हैं, जबकि अध्ययन सूची 'curriculum' स्कूल में पढ़ाई जाने वाली हर चीज़ का वर्णन करने वाला एक आम शब्द भी हो सकता है।

बोर्ड आफ़ स्टडीज़ क्या है?

बोर्ड आफ़ स्टडीज़ (The Board of Studies) NSW, 1990 में सरकारी व गैर-सरकारी स्कूलों में किन्डरगार्डन से कक्षा 12 तक की स्कूल शिक्षा के विकास के लिए उनकी सेवा करने हेतु स्थापित किया गया था। यह बोर्ड सभी स्कूलों के लिए उत्तम अध्ययन कार्यक्रम का विकास करता है, स्कूल प्रमाण-पत्र व उच्च स्कूल प्रमाण-पत्र प्रदान करता है तथा गैर-सरकारी स्कूलों को रजिस्टर करता है व मान्यता प्रदान करता है।

क्या मैं अपने विचार भेज सकता/ती हूँ?

बोर्ड आफ़ स्टडीज़ इस मार्गदर्शिका के प्रति आपके विचार जानने का इच्छुक है। कृपया अपने विचार information@bos.nsw.edu.au पर भेजें या (02) 9367 8035 पर फ़ैक्स करें।

नीचे कुछ उपयोगी वेबसाइट दी गई हैं

बोर्ड आफ़ स्टडीज़ का होम पेज (Board of Studies home page)
www.boardofstudies.nsw.edu.au

K–6 शिक्षा साधन (पाठ्यक्रम, *मौलिक बयान* तथा माता-पिता के लिए पृष्ठ सहित)
http://k6.boardofstudies.nsw.edu.au

बोर्ड आफ़ स्टडीज़ की ऑनलाईन दुकान
https://bosho.boardofstudies.nsw.edu.au/links/shoponline.html

मूल्याँकन साधन केन्द्र (ARC) (The Assessment Resource Centre)
http://arc.boardofstudies.nsw.edu.au

अबोरिजनल शिक्षा
http://ab-ed.boardofstudies.nsw.edu.au

NSW शिक्षा व प्रशिक्षण विभाग (NSW Department of Education and Training)
www.det.nsw.edu.au

NSW कैथोलिक शिक्षा कमीशन (NSW Catholic Education Commission)
www.cecnsw.catholic.edu.au

NSW स्वतंत्र स्कूल ऐसोसिएशन (NSW Association Independent Schools)
www.aisnsw.edu.au

ACARA वेबसाईट
www.acara.edu.au